



क्रमांक ११५३

हुस या कार्यवाही का तदनुसरतांतर जज

राज

दि. २२/०५/२०२३

नम्बर व तारीख अहकाम जो हुस हुस की तालीम में जारी हुए

जिसमें है तथा उन्होंने अपनी मातृसंस्था के अपने अपनी भूमि के अन्तर्गत व विकसित किया है तथा वर्तमान में उक्त भूमि का लब्ध करी बढ़ा है। अन्तर्गतगत वादग्रस्त भूमि का लब्ध करीकारी के विभिन्न अनुमति लेकर भूमि के अन्तर्गत उपभोग करना चाहते हैं तथा इस हेतु उन्होंने अन्तर्गतगत करीकरण के आवेदन भी किया जो कि पारित समित्त बाबि अन्तर्गत १०१६५०/- की पंजां अन्तर्गत की है लेकिन अन्तर्गत के मानवीय आभास के लक्षण अधिक के चलते उक्त संपत्तियों की अन्तर्गत नीति को प रही है। साथ ही अन्तर्गत नं. ११३५१२ एच ०-४५ है। यह अन्तर्गत के भी अन्तर्गतगत विभागे अन्तर्गत अन्तर्गत है किन पर मानवीय आभास के भूमि के विना अनुमति अन्तर्गत उपभोग के अन्तर्गत पर लब्ध करी पारित कर रहा है। वक्त अन्तर्गत की उक्त अन्तर्गत अन्तर्गत पर बाबि प रही है तथा अन्तर्गत पर अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत किया जा रहा है। इस बाब अन्तर्गत के आभास बीजापुर के दिनांक ०९-०५-२३ को अन्तर्गत अन्तर्गत हुए वादग्रस्त के अन्तर्गत

३२



